

## सत्संग शिक्षण परीक्षा

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था, शाहीबाग, अहमदाबाद - ३८०००४.

### सत्संग प्रवेश - १

रविवार, ६ मार्च, २०११

समय : सुबह ९.०० से ११.१५

कुल गुण : ७५



**स्वामिनारायण**  
**BAPS**

अनुपस्थित परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका का केवल यही पृष्ठ वापस भेजना है ।

☞ परीक्षार्थी के नाम सम्बंधित विवरण के साथ 'बारकोड' अंकित किया गया है । कृपया उस पर किसी प्रकार का नुकसान मत किजिए ।

अनिवार्य : निम्न लिखित सूचना की परीक्षार्थी को अपने आप पूर्ति करनी है

परीक्षार्थी का जन्म दिन      दिनांक      महिना      वर्ष

☐☐☐☐      ☐☐      ☐☐      ☐☐☐☐

परीक्षार्थी का अभ्यास .....

परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका पर अंकित नाम सहित अनिवार्य विवरण की सत्यता की जाँच करने के पश्चात् वर्ग निरीक्षक हस्ताक्षर करें ।

वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर .....

☞ पीछे दी गई सूचनाओं का अवश्य पालन करें ।

परीक्षक के हस्ताक्षर

.....

| मोडरेशन कार्यालय के लिए | प्रश्न नंबर ( गुण ) | प्राप्तांक |
|-------------------------|---------------------|------------|
|                         | १ (९)               |            |
|                         | २ (६)               |            |
|                         | ३ (५)               |            |
|                         | ४ (५)               |            |
|                         | ५ (४)               |            |
|                         | ६ (४)               |            |

विभाग-१, कुल गुण

| मोडरेशन कार्यालय के लिए | प्रश्न नंबर ( गुण ) | प्राप्तांक |
|-------------------------|---------------------|------------|
|                         | ७ (९)               |            |
|                         | ८ (४)               |            |
|                         | ९ (५)               |            |
|                         | १० (४)              |            |
|                         | ११ (६)              |            |
|                         | १२ (४)              |            |

विभाग-२, कुल गुण

| मोडरेशन कार्यालय के लिए | प्रश्न नंबर ( गुण ) | प्राप्तांक |
|-------------------------|---------------------|------------|
|                         | १३ (१०)             |            |

विभाग-३, कुल गुण

**मोडरेशन विभाग भाटे ४**

गुण शब्दोंमां .....

चेकर - नाम

## परीक्षार्थीओं को महत्वपूर्ण सूचनाएँ :-

१. आगे के मुख्य पृष्ठ पर परीक्षार्थी के नाम सम्बंधित विवरण के साथ बारकोड अंकित किया गया है । कृपया उस पर किसी प्रकार का नुकसान मत किजिए ।
२. परीक्षार्थी को स्पष्ट और सुंदर अक्षर से आगे के पन्ने में मांगी हुई विवरण को लिखना अनिवार्य है ।
३. आप उत्तर पुस्तिका (जवाबवही) में कही भी, किसी भी जगह पर अपना नाम मत लिखें ।
४. मुख्य परीक्षा के दिन वर्गखंड में उपस्थित प्रत्येक परीक्षार्थी वर्ग निरीक्षक से अपनी नामयुक्त उत्तर पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर करा लें ।
५. बिना वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर की उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी ।
६. प्रश्न के गुण → गुण : १  ← परीक्षक को प्रश्न जाँचकर गुण लिखने की जगह
७. परीक्षार्थी केवल ब्लू या केवल काली स्याही वाली पेन से ही उत्तर पुस्तिका में उत्तर लिखे । पेन्सिल से अथवा लाल, हरी या अन्य स्याही से लिखे गए उत्तर या एक से ज्यादा स्याही से लिखी गई उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी ।
८. सूचनानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए । अस्पष्ट उत्तर अमान्य होंगे ।
९. परीक्षा खंड के बाहर और अन्य सभी परीक्षार्थीओं से अलग या परीक्षा के नियमों का उल्लंघन कर के दी गई परीक्षा मान्य नहीं होगी ।
१०. परीक्षा कार्यालय, अहमदाबाद की पूर्व मंजूरी बिना मूल परीक्षार्थी के बदले 'लेखाकार' या 'सबस्टीट्यूट राईटर' एवं 'दूसरे व्यक्ति' द्वारा लिखी गई परीक्षा की उत्तरवही रद्द गीनी जाएगी । एक से ज्यादा प्रकार के अक्षरों की लिखावट रद्द मानी जाएगी ।
११. मुख्य परीक्षा के दिन उत्तरवही के इलावा अतिरिक्त पन्नों में लिखे हुए उत्तर मान्य नहीं होंगे ।

## ***Important Instructions For Satsang Exam Students***

1. **Please do not damage in any way the bar code printed on the front page.**
2. Please write clearly and legibly.
3. Do not write your name on the answer book.
4. On the day of the Final Satsang Examinations, all examinees should obtain the signature of the class supervisor on the answer sheet bearing their own personal details only.
5. Answer books without the signature of the Class Supervisor will be considered **NOT VALID.**
6. Marks for Question → 1 Mark  ← Space for Examiner to write marks
7. **Write your answers with either a blue or black pen only. Answers written in pencil, or with a red, green or any other coloured pen will not be considered valid. Answers written in more than one coloured ink will not be considered valid.**
8. Follow the instructions while answering. Answers crossed out will not be considered valid.
9. Examinations taken at **unauthorized locations** or in which the exam rules have been violated will not be considered valid.
10. **Without the prior permission of the Pariksha Karyalay in Ahmedabad, answer papers written by substitute writers in place of the original candidate will not be accepted. Answer papers with more than one type of handwriting will not be accepted.**
11. **In Main Exam answers written on extra pages will not be considered valid.**

### विभाग - १ : नीलकंठ चरित्र

प्र. १ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । ( कुल गुण : ९ )

१. “क्या नीलकंठ दत्तात्रेय, ऋषभदेव और रामचन्द्र की तरह ही महान हैं ?”

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....  
गुण : ३

२. “तुम जब भी मेरा स्मरण करोगे, मैं शीघ्र उपस्थित रहूँगा । अब इस तरह प्राण-त्याग कभी नहीं करना ।”

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....  
गुण : ३

३. “वैष्णवी कंठी तोड़ना भी पाप है ।”

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....  
गुण : ३

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक  केवल इन्हीं गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. २ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए । ( दो से तीन पंक्ति में ) ( कुल गुण : ६ )

१. वंशीपुर के प्रजाजनों आश्चर्यचकित हो गये ।

.....

.....

.....

.....

.....  
गुण : २

२. भगवानदास ने नीलकंठवर्णी को भगवान माना ।

.....

.....

.....

.....  
गुण : २



|                                  |             |       |       |
|----------------------------------|-------------|-------|-------|
| सिर्फ मोडरेशन<br>कार्यालय के लिए | गुण : प्र-४ | प्र-५ | प्र-६ |
|----------------------------------|-------------|-------|-------|

प्र. ४ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । (कुल गुण : ५)

१. नीलकंठवर्णी किस के पास से अष्टांग योग सीखे थे ?

गुण : १

२. नीलकंठवर्णी ने कब गृहत्याग किया ?

गुण : १

३. नीलकंठवर्णी ने चौलाई की भाजी किस लिए नहीं तोड़ी ?

गुण : १

४. नीलकंठवर्णी ने किस लिए दीवार के गोख को बंद कर दिया ?

गुण : १

५. नीलकंठवर्णी ने कितने वर्ष, कितने माह और कितने दिन तक वनविचरण किया ?

गुण : १

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक  केवल इन्हीं गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. ५ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें । (कुल गुण : ४)

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं । सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा ।

१. हिमालय ने बताया हुआ पुलहाश्रम का मार्ग ।

गुण : २

(१)  अपना संकल्प मुझ से कहिए ।

(२)  हे कृपानाथ, आप कहाँ से आये हैं ?

(३)  हे कृपानाथ, आपको कहाँ जाना है ?

(४)  आप कृपा कर इस राह से न जाएँ ।

२. सरजूदास भोजन में क्या लेते ?

गुण : २

(१)  मखन

(२)  रोटी

(३)  बाजरे की रोटी

(४)  मिर्च का गोला

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक  केवल इन्हीं गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. ६ निम्नलिखित वाक्यों में रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए । (कुल गुण : ४)

१. नीलकंठवर्णी ने पुलहाश्रम में ..... वर्ष की आयु में तप किया ।

गुण : १

२. लखु चारण ..... की शिष्या थीं ।

गुण : १

३. रामानन्द स्वामी ने सहजानन्द स्वामी की आरती ..... गाँव में उतारी ।

गुण : १

४. नेपाल में पृथ्वीनारायण सहा का पौत्र ..... राज कर रहा था ।

गुण : १

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक  केवल इन्हीं गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

**विभाग - २ : सत्संग वाचनमाला भाग - १**

प्र. ७ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । ( कुल गुण : ९ )

१. “आप का भक्त होगा तो आप, बिना सिफारिश के उसे सम्हालेंगे ।”

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

गुण : ३

२. “एक नख जितनी धरती पर भी बिना आपके दूसरा भगवान कहीं नहीं दिखाई देता ।”

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

गुण : ३

३. “अभी तो हम लोग गढ़डा मन्दिर में आरती उतारने जानेवाले हैं ।”

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

गुण : ३

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक  केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. ८ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए । ( दो से तीन पंक्ति में ) ( कुल गुण : ४ )

१. श्रीजीमहाराज ने झीणाभाई की अर्थी उठाई ।

.....

.....

.....

.....

गुण : २

२. लाडुदानजी के परिवार के लोग गढ़पुर में आए ।

.....

.....

.....

.....

गुण : २

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक  केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें



प्र.१० निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । (कुल गुण : ४)

१. रणछोडरायने दर्शन देकर आशाभाई को क्या कहा ?

गुण : १

२. देवानन्द स्वामी के आशीर्वाद से दलपतराम आगे चलकर क्या बने ?

गुण : १

३. जेठाभाई को अक्षरपुरुषोत्तम की निष्ठा किसने दृढ़ करा दी ?

गुण : १

४. मुनिबावा को सत्संग किसने करवाया ?

गुण : १

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक  केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र.११ निम्नलिखित विषय के लिए सूचनानुसार छः सही क्रमांक और उस सही क्रमांक को घटनाक्रम के अनुसार लिखिए । (कुल गुण : ६)

विषय : भक्तराज दरबार श्री झीणाभाई

१. चारपाई का एक पाया झीणाभाई ने स्वयं उठाया । २. स्वामी को एक चिट्ठी लिखी कि 'झीणाभाई वहाँ हैं कि नहीं' ? ३. कमलशीभाई के लिए अदीबा ने काली मिर्च नहीं दी । ४. स्वामी के पास मेरी याद करते रहना, जिससे मेरा कल्याण हो । ५. झीणाभाई ने अदीबा के साथ बोलना बंद कर दिया । ६. झीणाभाई के लड़के का नाम मानसिंह था । ७. चिट्ठियाँ पढ़ें तो घर लौटने का विचार हो जाय, इससे आपके सत्संग के सुख में बाधा पड़ जाय । ८. एक बार वे गढ़ड़ा आये तो पूरे दस महीने एक साथ रहे । उनको बुलाने के लिए घर से चिट्ठियाँ आने लगीं । ९. गरीब फिर भी अपने सच्चे भक्त की इतनी सेवा की इससे महाराज बहुत प्रसन्न हुए । १०. महाराज के समागम के लिए झीणाभाई सारंगपुर में ही रहते थे । ११. वे रातदिन अपनी देह से भी अधिक उनकी देखभाल करते थे । १२. पूजा डोडिया कभी-कभी महाराज के पास झीणाभाई को याद करते थे ।

(१) केवल सही क्रमांक       गुण : ३

(२) यथार्थ घटनाक्रम       गुण : ३

सूचना : (१) केवल सही क्रमांक के सभी छः उत्तर क्रमांक सही होंगे तो ही ३ गुण प्राप्त होंगे । (२) यथार्थ घटनाक्रम भी सही होगा तो ही ३ गुण प्राप्त होंगे । अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा ।

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक  केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र.१२ निम्नलिखित गलत वाक्य को उसके विषय के अनुलक्ष्य में सही लिखिए । (कुल गुण : ४)

सूचना :- संपूर्ण वाक्य सही लिखा होगा तो ही गुण प्राप्त होंगे । अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा ।

१. भक्तराज जीवुबा : कृष्ण प्रभु अपने ही कमरे में रहे हैं और स्वयं उनको न बुला सके और भाले से जीवुबा को मार डालने के लिये खुद दौड़े, इसका अलैया खाचर को बड़ा दुःख हुआ ।

उ. ....

गुण : १



२. स्वामी यज्ञप्रियदासजी : वे समझ गये कि उनको ब्रह्मरूप करने के लिये ही स्वामीश्री ने यह सब कुछ किया है । आणंद से रसोई मँगवाकर सब ने रात का भोजन किया । तीसरे दिन योगीजी महाराज वहाँ पधारे ।

उ. ....

.....

|         |  |
|---------|--|
| गुण : १ |  |
|---------|--|

३. सद्गुरु देवानंद स्वामी : मेराई भक्त ने दलिया और दूध से भरी बोधनी महाराज के सामने रखी । उन्होंने कुर्ते की बाँह लम्बी रखी, चोकट लगाके, जोती हुई बैलगाड़ी में सोते सोते ही उन्होंने दलिया और दूध खाना आरम्भ कर दिया ।

उ. ....

.....

|         |  |
|---------|--|
| गुण : १ |  |
|---------|--|

४. भक्तराज जोबनपगी : बनिये के आँगन में एक बावा आया हैं, सब लोग उसे कृष्ण मानते हैं । देखे तो सही वह कैसा नौटंकी है ?

उ. ....

.....

|         |  |
|---------|--|
| गुण : १ |  |
|---------|--|

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक  केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

### विभाग - ३ : निबंध

प्र.१३ निम्नलिखित किसी एक विषय पर करीब ३० पंक्ति में निबंध लिखिए । ( कुल गुण : १० )

- जीवन घड़न की नींव - मन्दिर
- कौटुम्बिक एकता के चार सिद्धांत
- नब्बे साल में भी अजोड़ सूत्रधार - प्रमुखस्वामी महाराज

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

